O 39 वर्ष-2009 ✓

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

नीलेश मिश्रा

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: कोड क्रमांक 162005 (मुख्य परीक्षा)

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 009 परीक्षा का विषय हिन्दी
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 12-03-09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2001	A

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

केन्द्र क्रमांक की सील

केन्द्रक्रमांक 162005

1389604

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	1	6	1	9	2	5	3

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को शब्दों में लिखा जाए :-

	एक	छः	एक	नौ	दो	पाँच	तीन	

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में एक अंकों में 1

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक [illegible] में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

BSEMP

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) [signature]

नाम [signature] पद [illegible]

पता/संस्था [illegible]

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

[signature]

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिक... यथा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किय... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक सम... एवं ... पूर्ण...

हस्ताक्षर (परीक्षक) [signature]	हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)	हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)
परीक्षक क्रमांक 922064	दिनांक........	दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

BSEMP

प्रश्न क्रमांक – 1

उत्तर:– (i) कृष्ण को मथुरा ले जाने के अक्रूर आया था।

(ii) 'रामचन्द्रिका' के रचियता केशवदास हैं।

(iii) श्रीकृष्ण के प्रति मीरा का दाम्पत्य भाव है।

(iv) प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना सन् 1936 में हुई।

(v) 'सूर्य का स्वागत' भवानीप्रसाद मिश्र की रचना है।

प्रश्न क्रमांक – 2

उत्तर:– (i) 'फिर बसन्त आया' उषा प्रियंवदा का कहानी संग्रह है।

(ii) भय जब स्वभावगत हो जाता है कायरता कहलाता है।

(iii) काव्य में सधुक्कड़ी भाषा का प्रयोग कबीर ने किया है।

(iv) छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।

(v) शोषण का विरोध प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख विशेषता है।

प्रश्न क्रमांक – 3

उत्तर:– (i) कबीर प्रेमाश्रयी शाखा के कवि हैं (असत्य)

(ii) भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाता है। (असत्य)

(iii) श्रृंगार रस का स्थायी भाव हास होता है (असत्य)

(iv) एकांकी दृश्य काव्य का रूप होता है (सत्य)

(v) शरद जोशी प्रमुख व्यंग्यकार हैं। (सत्य)

B S E M P

पृष्ठ के

(5)

16

अंक

प्रश्न क्रमांक -4

(i) काव्य में सर्वाधिक छन्दों का प्रयोग किया है — (ग) घनानन्द

(ii) काव्य में भाव-विह्वलता कूट-कूट कर भरी है — (क) मीरा ने

(iii) राष्ट्रीय चेतना जागृत करने वाले कवि हैं — (ख) जगन्नाथदास ~~रत्नाकर~~ (ङ) गोपाल सिंह नेपाली

रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं — (ख) केशव

(v) 'उद्धव प्रसंग' नामक कविता के रचयिता हैं — (घ) जगन्नाथ दास रत्नाकर

(6)

य पृष्ठ 6 क अंक कुल अंक

प्रश्न क्रमांक - 5

उत्तर:- (i) वात्सल्य रस को दसवें रस के रूप में स्थापित करने वाले कवि का नाम

उत्तर:-

(ii) जिस वाक्य में एक ही संज्ञा और क्रिया का प्रयोग होता है, उसे क्या कहते हैं?

उत्तर:- साधारण वाक्य

(iii) वैद्य

(iv) तात्या टोपे

पुस्तकें ।

प्रश्न क्रमांक - 6 का अथवा

उत्तर:- कबीर ने शब्द की बड़ी महिमा बताई है। कबीर कहते हैं हमें अपने मुँह से शब्द बड़ी सावधानी पूर्वक निकालना चाहिए, क्योंकि शब्द के हाथ पैर तो होते नहीं ~~है~~ वह तो हमसे अपने

BSEMP

अनुरूप कार्य निकलवाता है। एक शब्द तो मीठा होता है, जो औषधि का कार्य करता है। दूसरा शब्द कर्कश होता है जो घाव करता है अर्थात सुनने वालों को बुरा लगता है। संसार में शब्द की बड़ी ही महिमा है। कबीर कहते हैं कि मनुष्य को अपनी जिह्वा पर नियंत्रण रखना चाहिए जिसने भी अपनी जिह्वा को अपने वश में कर लिया, उसने तो मानो संसार को ही अपने वश में कर लिया है। अर्थात् मीठी वाणी से संसार अपना बन जाता है। अतः मनुष्य को बड़ी सावधानी से बोलना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक – 7

उत्तर: "विभावरी" के बीतने पर "उषानागरी" आकाश रूपी पनघट में तारों रूपी घड़े को डुबो रही है। अर्थात् प्रातःकाल हो गया है। तारे डूब रहे हैं। ठण्डी हवाये चल रही है। नायिका का इधर-उधर हिलना ~~किसलय~~ कोमल कपोलों के हिलने के रूप में दिखाई देता है। घड़े भरने के कुल-कुल स्वर पक्षियों के रूप में दिखाई देता है।

LSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

एक सखी दूसरी सखी से कहती है कि ये सखी प्रातःकाल हो गया है तू अब तक क्यों सो रही है। देख लतिका नाम की सखी भी अपने पराग रूपी घड़े में मधु भर लायी है।

प्रश्न क्रमांक – 8

उत्तर – छायावाद की विशेषताएँ :—

छायावाद की विशेषताएँ निम्न हैं—

(1) व्यक्तिवाद की प्रधानता :— छायावादी कविता मूलतः व्यक्तिवाद की कविता है। छायावादी कविता में व्यक्तिवाद की प्रधानता है।

"मैंने 'मैं' शैली अपनाई, देखा एक दुःखी निज भाई,
दुख की छाया पड़ी हृदय में, झट उमड़ वेदना आई।"

(2) प्राकृतिक प्रेम :— छायावादी कवियों ने प्राकृतिक प्रेम का वर्णन बड़ी रुचि से किया है। इन कवियों का मन प्रकृति चित्रण में खूब

BSEMP

पृष्ठ क ... का योग

गया है।

उदाहरण :—

" छोड़ मृदु द्रुमों की छाया, छोड़ प्रकृति से माया,
बाले तेरे बाल जाल में, कैसे उलझा दूँ लोचन।"

(3) प्रेम सौन्दर्य :—

छायावादी कवियों ने प्रेम सौन्दर्य एवं नारी सौन्दर्य का वर्णन बड़ी रुचि से किया है।

" नील परिधान बीच सुकुमार, खुल रहा मृदुल अधखुला अंग"

(4) करुणा और वेदना की अभिव्यंजना :—

छायावादी कविताओं में करुणा और वेदना की अभिव्यंजना हुई है।

" मैं नीर भरी, दुख की बदली,
उमड़ी कल थी, मिट आज चली।"

BSEMP

पृष्ठ

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 10 के अंक | कुल अंक

BSEMP

प्रश्न क्रमांक - 10

उत्तर:- गाँवो के जीवन से अनेक चीजें गायब हो रही हैं लेकिन तीन पारम्परिक चीज मुख्य रूप से गायब हो रही हैं।

(1) पहली गाँव में हलों की टर्र-टर्र की आवाज गायब हो गई उसके स्थान पर ट्रैक्टर भूमि का कलेजा चीर रहे हैं। ट्रैक्टर के आवाज से सभी के कान फूट रहे हैं।

(2) गाँव से नदियाँ और तालाब गायब हो गये हैं और उनकी जगह पर ट्यूबवल धरती का सीना चीरकर पानी बाहर निकाल रहे हैं, जिससे भूमि जल स्तर नीचे जा रहा है।

(3) पहले गाँव में दीपक की रोशनी से सारा गाँव जगमगा उठता था। उनकी जगह बो.-बो. बल्ब व घर को चकाचौंध कर रहे हैं।

इस तरह लेखक ने अपने गाँव में अनेक परिवर्तन देखे जो आज की आधुनिकता की देन है।

प्रश्न क्रमांक – 9

उत्तर:– हिन्दी में 'नाटक सम्राट' जयशंकर प्रसाद को कहा जाता है।

प्रमुख नाटककार	नाटक
(1) जयशंकर प्रसाद	ध्रुव स्वामिनी
(2) मोहन राकेश	लहर का राजा

प्रश्न क्रमांक – 12

उत्तर:– छप्पय छन्द :–

" यह मुक्तक छन्द है। इसे संयुक्त छन्द भी कहते हैं। इसमें छः चरण होते है प्रथम चार रोला के और उल्लाला के होते हैं। इसमें रोला की 24 मात्राएँ तथा उल्लाला में 28 मात्राएँ हैं।

" नील परिधान हरित तट पर सुन्दर है,
सूर्य चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है,
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मण्डल है,
बन्दी जन खग वृन्द, शेष फन सिंहासन है।"

रोला की 24 मात्राएँ

ESEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

~~करते पीयूष~~

"करते अभिषेक, पीयूष बलिहारी इस वेश की,
हे मातृभूमि! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।"

उल्लाला की 28 मात्राएं

प्रश्न क्रमांक – 13 का अथवा

(अ) (क) जो अच्छे विद्यार्थी हैं, वे परिश्रमी होते हैं।

(ख) वह दरिद्र है पर ईमानदार है।

(ब) धर्म पार्थक्य का नहीं एकता का द्योतक है :—

धर्म किसी के लिए भी अलग नहीं है
धर्म तो एकता का प्रमुख ध्येय है।
धर्म का अर्थ ही एकता है।
हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्म
अलग – अलग नहीं बल्कि धर्म सभी
के लिए एक है।

BSEMP

प्रश्न क्रमांक - 14

शरद जोशी

उत्तर:-

(क) रचनाएँ :- (1) जीप पर सवार इल्लियाँ, (2) तिलिस्मी।

(ख) भाषा-शैली :-

'शरद जोशी' की भाषा अत्यन्त सरल है, इसमें अरबी, फारसी के शब्दों का भी प्रयोग हुआ है। 'शरद जी' की भाषा में मुहावरे व लोकोक्तियों की का प्रयोग भी हुआ है। 'शरद जी' की रचनाओं में व्यंग्य प्रधान शैली का प्रयोग हुआ है। इन्होंने समीक्षात्मक एवं भावात्मक शैली का भी प्रयोग किया है। भाव की दृष्टि से इनकी रचनाएँ उत्तम हैं इन्होंने अपनी कविताओं व्यंग्य प्रधान शैली का अधिकतर प्रयोग किया है।

(ग) साहित्य में स्थान :-

'शरद जोशी' एक व्यंग्यकार के रूप में सदैव स्मरण किये जाएँगे इनको व्यंग्यकार के रूप ~~में~~ ~~सदैव~~ लेखक भी कहते हैं।

BSEMP

इन्होंने सामाजिक बुराईयों पर करारा प्रहार किया है। इनका साहित्य में उच्च स्थान है।

प्रश्न क्रमांक – 11

उत्तर:–

'कबीरदास'

रचनाएँ :— (1) साखी (2) सबद

(ख) भावपक्ष :—

(1) निर्गुण ब्रह्म के उपासक :— कबीरदास निर्गुण ब्रह्म के उपासक थे। उनका राम अरूप, अनाम, निराकार परब्रह्म है।

(2) रहस्यवाद :— कबीरदास ने रहस्यवाद का प्रयोग किया है, उन्होंने कविताओं के माध्यम से ब्रह्म में लीन होने की बात कही है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

सामाजिक सुधारक :—

कबीरदास ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का भरसक प्रयत्न किया है उन्होंने अपनी कविताओं में न केवल सामाजिक बुराईयों का वर्णन किया है बल्कि जीवन के आदर्श स्वरूप को भी व्यक्त किया है।

कलापक्ष :—

(i) अकृत्रिम भाषा :—

कबीरदास की भाषा परिष्कृत है, उसमें कृत्रिमता जरा भी नहीं है। इनकी सरल, सहज है। इसमें उर्दू, अरबी, फारसी के शब्दों का भी प्रयोग हुआ है।

रस योजना :—

कबीरदास ने सभी रसों में काव्य की रचना की है, परन्तु शान्त रस का प्रयोग अधिक है।

छन्द योजना :—

इन्होंने साखी की रचना दोहा छन्द में की है, इन्होंने अन्य छन्दों का

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

भी प्रयोग किया है।

अलंकार :— इन्होंने उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा आदि अलंकारों का प्रयोग किया है।

(ग) साहित्य में स्थान :— 'कबीरदास जी' का साहित्य में बहुत बड़ा स्थान है। कबीरदास ने सामाजिक बुराियों को दूर करने का भरसक प्रयत्न किया है।

प्रश्न क्रमांक - 16

उत्तर,— मानव के लिए - मारे सकुचा गये।

संदर्भ :— प्रस्तुत "गद्यांश" हमारी पाठ्य पुस्तक के "यशोदरा" से लिया गया है, इसके रचयिता "डॉ० रघुवीर सिंह" हैं।

BSEMP

~~प्रसंग:— इसमें बताया गया है कि~~

प्रसंग:— इसमें यशोधरा को भगवान शिव से श्रेष्ठ बताया गया है।

व्याख्या:— लेखक कहता है कि गौतम बुद्ध ने संसार को दुःखों से बाहर निकालने के लिए चोरी छुपे रात में निकल पड़े थे। गौतम संसार के लिए अमृत की खोज के लिए उग्र थे। यह अमृत पाना कठिन है। इसके लिए गौतम ने सागर का मंथन किया इससे जो चिर वियोग रूप विष निकला था उसे गौतम ने नहीं बल्कि उसकी पत्नी यशोधरा ने पिया। इस विष को पीकर भी वह नीलकण्ठ नहीं हुई बल्कि उन्होंने खुशी से चिर-वियोग रूपी विष को पिया। कैलाश पर निवास करने वाले शिव भी यह देखकर लज्जित हैं।

पृष्ठ

(18)

योग पूर्व पृष्ठ प्राप्तांक कुल अंक

काव्य सौंदर्य;—

(1) भाषा सहज और सरल है।
(2) यशोधरा की विरह का वर्णन बड़ा ही सुन्दर है।

प्रश्न क्रमांक – 17

उत्तर;– फुर – फुर — — — — — — — — — — — — — — — — — पानी बरसा री।

संदर्भ;—
प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक के 'मंगल वर्षा' नामक शीर्षक से उद्धृत है इसके कवि 'भवानी प्रसाद मिश्र' हैं।

प्रसंग;— वर्षा के आगमन पर प्रकृति में आये परिवर्तन के बारे में बताया है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E M P

व्याख्या :— कवि कहता है कि वर्षा के आगमन पर सभी ओर खुशियाँ छा जाती है। वर्षा की पहली बूँद जब नायिका के बालों पर गिरती है तो वह मोती के समान लगती है। किसान खेत में बीज बोने लगते हैं। वर्षा के आगमन पर खेत के बीच खड़ी किसानिन कजरी गीत गाने लगी है। झरना झर-झर की आवाज कर रहे हैं। इससे मन प्रसन्न हो जाता है। स्त्रियाँ सोचती हैं कि जरूर किसी जन्म के पुण्य रहें होंगे जो यह अवसर मिला है। वर्षा आने पर ऐसा लगता है कि किसी सुहागिन को उसके पति ने स्पर्श किया हो। वर्षा के आने पर धरती में प्यार के अंकुर फूटने लगे हैं।

काव्य सौंदर्य :—

(1) भाषा सहज और सरल है।

(2) अनुप्रास, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार का प्रयोग हुआ है।

(3) श्रृंगार रस का वर्णन हुआ है।

(4) गुण - माधुर्य है।

प्रश्न क्रमांक -18

उत्तर:- (क) कवित्त

(ख) शीर्षक:— (क) कविता।

(ख) भावार्थ:—

सबसे अच्छी कविता वही होती है जो श्रोता या पाठक को भाव में लीन कर देती है। कवि के हृदय का भाव श्रोता या सुनने वाले का भाव बन जाता है। जो कवि अपने भाव को जितने यथार्थ के साथ प्रकट करता है वही सुनने वालों को अधिक प्रभावित और रसमग्न करते हैं।

(ग) जिस कवि में अपने हृदय के भाव को यथार्थ रूप में पाठक या श्रोता के हृदय में पहुँचाने की जितनी अधिक प्रतिभा होती है, उसकी कविता में उतना ही अधिक प्रभाव तथा रसमग्न करने वाली होती है। ऐसे ही कवियों की कविता का सदैव आदर होता है।

BSEMP

प्रश्न क्रमांक – 19 का अथवा

उत्तर:–

सेवा में,
सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल

सेवा में,
सचिव महोदय,
माध्यमिक शिक्षा मण्डल
भोपाल (म० प्र०)।

विषय:– अंकसूची की द्वितीय प्रति मंगाने हेतु।

मान्यवर,
नम्र निवेदन है कि मैं कक्षा बारहवीं की छात्रा हूँ मैंने ~~कर~~ हाईस्कूल की परीक्षा शान्तिनिकेतन से की है। इसकी अंक सूची भी मुझे मिल गई थी पर दुर्भाग्यवश मेरी अंक सूची खो गई। मैंने अपनी सूची खोने की खबर दैनिक समाचार में भी छपवाई है। मैंने इस आशय का शपथ पत्र भी तैयार करवा लिया है। मैंने कई जगह नौकरी के लिए आवेदन दिए।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

अत: श्रीमान से निवेदन है कि मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने की कृपा करें। आपको मैं इसके लिए निर्धारित राशि बैंक ड्राफ्ट द्वारा भेज रही हूँ।
मेरा पता इस प्रकार है—

नाम — पूजा ओझा
पिता का नाम — ओमप्रकाश ओझा
पता = पूजा ओझा C/o श्री ओमप्रकाश ओझा
पिनकोड — 20458

× ×

प्रश्न क्रमांक – 11

उत्तर— चिकित्सा के क्षेत्र नैनो टैक्नॉलजी का अत्यन्त महत्व है। वैसे तो सभी क्षेत्र में इसकी महत्व बहुत अधिक है पर चिकित्सा के क्षेत्र में इसका महत्त्व बहुत ज्यादा है। इसके द्वारा अनेक बीमारियों पर नियन्त्रण किया जा सकता है। इसके द्वारा ऐसे सेल्स का निर्माण किया है जो कैंसर की समुचित प्रक्रिया को ही बदल देता है। नैनो टैक्नालजी द्वारा

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E M P

अब ऐसी घड़ी का निर्माण किया जा रहा है। जिससे मनुष्य समय रहते अपनी बीमारियों का पता लगा सकता है। अतः चिकित्सा के क्षेत्र में नैनो टेक्नोलॉजी का बड़ा महत्व है।

x x

प्रश्न क्रमांक – २०

'भारतीय समाज में नारी'

प्रस्तावना :–

ब्रह्मा के पश्चात् इस भू-तल पर मानव को अवतरित करने वाली नारी का स्थान सर्वोपरि है। वे माँ, बहन, पत्नी के रूप में हमें कुछ न कुछ देती रही है। नारी मानव जीवन का आधार है। उसके बिना सम्पूर्ण मानव जीवन ही नीरस है। नर, नारी दोनों ही जीवन के रथ रूपी पहिए है।

प्राचीन सभ्यता में नारी का स्वरूप :–

प्राचीन

यो

में नारी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। उस समय नारी को देवी माना जाता था। रोमेशा लोपमुद्रा ने ऋग्वेद के सूत्रों की रचना की। कैकेयी, सीता जैसी नारियों ने अनेक महान कार्य किए हैं।

मध्यकाल में नारी की दशा :—

मध्यकाल नारी के लिए अभिशाप बनकर आया। मुगल शासकों के आगमन ने उन्हें भोग विलास की वस्तु बना दिया। वह घर की चार दीवारों में ही कैद होकर रह गई।

भक्तिकाल में नारी की दशा अत्यन्त दयनीय हो गयी। इस काल में महान कवियों ने नारी की सहानुभूति में एक शब्द भी नहीं कहे। कबीर तुलसी ने नारी को महाविकार, नागिन कहकर संबोधित किया। तुलसी ने उसे ढोल, शूद्र के समान ताड़ना का अधिकारी बताया।

"ढोल, शूद्र, पशु, नारी, ये ताड़न के अधिकारी।"

BSEMP

/

पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

वर्ष- 2009 माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

1. केन्द्र की सील

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 12-3-09

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक केन्द्र क्रमांक 162006

6. परीक्षा का नाम हायर सेकेण्डरी परीक्षा

7. विषय हिन्दी 8. माध्यम हिन्दी

8. दिनांक 12-03-09

पृष्ठ

आधुनिक युग में नारी:—

आधुनिक युग में नारी मुक्ति का स्वर था नारी को मुक्त कराने के लिए देश के अनेक कर्णधार सामने आये राजा राममोहन राय ने विधवा विवाह पर रोक लगा दी।

B S E M P

रि. रि. ए

2

B
S
E
M
P

अंकों का योग

Ans081.pm5

3

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 3 के अंक	=	कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

4

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग